दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 15-07-2024

राजनीति • दो दिवसीय दौरा, प्रशासन ने तैयारियां पूरी की, समिति करेगीं जंगल बचाने की मांग

आदिवासी समाजजन से आज चर्चा करेंगे राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष, कल लेंगे अफसरों की बैठक

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अंतरसिंह आर्य 15 जुलाई से बुरहानपुर जिले के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। 15 जुलाई को वे दोपहर 12 बजे नेपानगर आएंगे। यहां नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर आदिवासी समाजजन से चर्चा करेंगे। पहले उनका कार्यक्रम रेस्ट हाउस में समाजजन से मुलाकात का था, लेकिन बाद में नेहरू स्टेडियम पर समारोह आयोजित किया जाना तय किया गया।

नेपानगर एसडीएम भागीरथ वाखला ने बताया आयोग अध्यक्ष के आगमन की तैयारियां की जा रही है। नेहरू स्टेडियम ग्राउंड पर उनका कार्यक्रम होगा। इधर नगर पालिका की ओर से उपयंत्रियों सहित अन्य अफसर, कर्मचारियों की मंच व्यवस्था, कुर्सी, टेबल सहित अन्य व्यवस्थाएं जुटाने के लिए ड्यूटी लगाई गई है। डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार ने बताया 15 जुलाई को आयोग अध्यक्ष बुरहानपुर में रात्रि विश्राम करेंगे। 16 जुलाई को सुबह 10 बजे अनुसूचित जाति जनजाति समाजजन से चर्चा करेंगे। 11.45 बजे कलेक्टोरेट में बैठक लेंगे। कलेक्टर, एसपी, जनजातीय विभाग सहित सभी विभाग प्रमुख मौजूद रहेंगे। दोपहर 3 बजे बुरहानपुर से सेंधवा के लिए रवाना होंगे।

छात्रावासों में जनवरी से राशि नहीं, अफसरों की मनमानी हावी

जिले के छात्रावासों में जनवरी से राशि नहीं है। ऐसे में छात्रावास, आश्रमों का संचालन काफी परेशानी से हो पा रहा है। जनजातीय विभाग के अफसर, बाबूओं की मनमानी हावी है। छात्रावासों को खेल सामग्री समय पर नहीं मिल रही है। नया बच्चा भर्ती होता है, तो बिस्तर व अन्य सामग्री मिलती है। जुलाई में भर्ती बच्चे को नियमानुसार अगर देरी भी हो, तो अगस्त तक बिस्तर व सामग्री मिल जाना चाहिए, लेकिन जिले के अफसर न राशि स्वीकृत करते हैं न ही बिस्तर, सामग्री देते हैं।

ऐसे में कई आदिवासी समाजजन अपने बच्चों को वापस छात्रावास से निकालकर ले जाते हैं। इसी तरह पत्र, पत्रिका की राशि भी छात्रावासों को नहीं मिल रही है। दो-दो साल तक पेंडिंग कर दिया जाता है। ऐसे में अधीक्षक कहां से व्यवस्था करें, यह सवाल उठने के बाद भी विभागीय अफसर मनमानी पर उतारू हैं। जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त का पद लंबे समय से खाली है। स्वर्णा खर्चे प्रभार संभाले हुए है, लेकिन छात्रावासों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है। कलेक्टर ने हर छात्रावास के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर रखा है, लेकिन नोडल अधिकारियों के हाथ में केवल निरीक्षण के और कुछ नहीं है।

प्रशासन ने अपात्रों के दावे किए हैं खारिज

बताया जा रहा है कि प्रशासन ने वनाधिकार अधिनियम के तहत लगाए गए दावों में से अपात्रों के दावे खारिज कर दिए हैं। सभी को नोटिस भी जारी किए गए हैं, लेकिन कहीं न कहीं अब प्रशासन पर दबाव बनाया जा रहा है। नेहरू स्टेडियम पर आयोग अध्यक्ष समाजजन से चर्चा करेंगे तो वहीं जंगल बचाओ समिति जंगल बचाने की मांग रखेगी।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष को सौंपेंगे ज्ञापन, गांवों में घूमाया प्रचार वाहन

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

जंगल बचाने के लिए घाघरला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीणों ने काफी प्रयास किए थे। यहीं वजह है कि करीब सालभर पहले प्रशासन को सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमणकारियों को क्षेत्र से खदेड़ना पड़ा, लेकिन इसके बाद भी अतिक्रमण कम नहीं हुआ। अब भी कई लोगों ने वन भूमि के दावे लगा रखे हैं, जो खारिज हो गए हैं। क्योंकि कई बाहरी लोगों ने भी दावे कर रखे हैं। इन्हीं सब बातों को लेकर क्षेत्र के ग्रामीण फिर से एकजुट हो गए हैं और 15 जुलाई को सभी एकत्रित होकर नेपानगर पहुंचेंगे। यहां राष्ट्रीय अनुसूचित

जाति आयोग के अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसे लेकर क्षेत्र में रविवार को प्रचार वाहन घूमाया गया। जंगल बचाओ समिति की ओर से नावरा, हैदरपुर, डाभियाखेड़ा, हिवरा, गुराड़िया, सीवल, सातपायरी सहित अन्य क्षेत्रों में प्रचार वाहन घुमवाया गया। ग्रामीणों से अपील की गई कि सैकड़ों की संख्या में वह ज्ञापन देने नेपानगर आएं ताकि जंगल को बचाया जा सके।